फलता-फूलता है। वर्तमान निरोधक कानून के अनुसार रिश्वत लेने वाले और रिश्वत देनेवाले दोनों दोषी है। जिसका परिणाम यह होता है कि भ्रष्ट कर्मचारी के खिलाफ कोई गवाही देने और सबूत पेश करने के लिए तैयार नहीं होता।

(XI) राजनीतिक दबाव :- भारत जैसे विकासशील प्रजातंत्र मे प्रशासकीय अधिकारियों में भ्रष्टाचार का एक अन्य महत्वपूर्ण कारण यह भी है कि राजनीतिक नेता उनपर गलत कार्य कराने के लिए बहुत दबाव डालते है जो अधिकारी इनके कहने से गलत कार्य करते है तथा उन्हें संरक्षण देते है परन्तु बात नहीं मानने वाले को तंग परेशान किया जाता है।

भ्रष्टाचार उन्मूलन के उपाय :- भारत में भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए कतिपय महत्व पूर्ण प्रयास किये गये है। भ्रष्टाचार निरोधक कानून 1947 अखिल भारतीय सेवा आचरण और नियमावली 1955 तथा केन्द्रीय असैनिक सेवा नियमावली आदि का उल्लेख किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय सतर्कता आयोग और विशेष पुलिस व्यवस्था भी इसको रोकने के लिए कार्यरत है। 1963 में केन्द्रीय जाँच ब्यूरो (Central Bureau of Investigation) की स्थापना की गयी। उपरोक्त एजेन्सियों को होते हुए भी भ्रष्टाचार का उन्मूलन नहीं हो सका। लोकपाल तथा लोक आयुक्त जैसे पदों का भी सृजन हुआ परन्तु इसके बावजूद भी स्थिति में कोई खास परिवर्तन नहीं आया।

निष्कर्ष :- निष्कर्षतः भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए हमें प्रबल जनमत तैयार करना होगा, युवा संगठनों के द्वारा सरकारी कर्मचारियों पर निगरानी रखनी होगी, जनता को नैतिकता की शिक्षा देनी होगी, प्रशासन को भैंसे के प्रभाव से मुक्त करना होगा तथा भ्रष्ट तरीका अपनानेवाले दोषी व्यक्तियो के खिलाफ कठिन से कठिन दण्ड देना होगा। अतः इस संदर्भ में डॉ० एस० राधाकृष्णन के उक्तियों पर गहराई से शोध करना होगा जिन्होंने कहा है कि "भ्रष्टाचार नामक बुराई के विरुद्ध चारों ओर से तथा सभी स्तरों पर जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए।" ताकि भ्रष्टाचारी भ्रष्टाचार के विरुद्ध निरंतर आवाज उठाकर राष्ट्रीय हित के लिए कार्य करें, तभी हम एक सुन्दर और स्वच्छ वातावरण पैदा कर सकते है ताकि देश उत्तरोत्तर अच्छे कार्य कर सुन्दर समाज दे सकेगा। (समाप्त)

डॉ० राजू मोची
विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान
जी. के. कॉलेज, डुमराँव
दिनांक 22/07/2020

REDMI NOTE 6 PRO
MI DUAL CAMERA

शासन में भ्रष्टाचार की समस्या
(Problem of Corruption in Administration)

लोक सेवाओं में भ्रष्टाचार एक सामान्य परन्तु बहुत गंभीर समस्या है। वर्तमान समय में भ्रष्टाचार सिर चढ़कर बोल रहा है जिसके कारण प्रशासन में बौना साबित हो रहा है। लोक कल्याण की योजनाएँ व्यर्थ सिद्ध हो रही है और जनता तकलीफ और कष्ट से परेशान है। सच्चरित्र व्यक्तियों के उदाहरण धीरे-धीरे कहावत बनते जा रहे है। इसकी व्यापकता का तो अन्दाज नीरद सी० चौधरी के कथनों से ऐसा लगता है कि "छोटे कर्लक से लेकर मंत्री तक शायद ही कोई व्यक्ति हो जिसने किसी न किसी क्षेत्र में धन का दुरुपयोग न किया हो जिसे नियंत्रित करना शासन का परम कर्तव्य है।" यह कथन सम्भवतः भारतीय जीवन के सभी क्षेत्रों में सत्य से परे नहीं है।

भ्रष्टाचार के कारण (Cause of Corruption) :- भारतीय प्रशासन और लोक जीवन में निम्नांकित कारणों से भ्रष्टाचार के व्यापक प्रचार में योगदान है।

(I) अतीत का अवशेष :- कुछ लोग भ्रष्टाचार को अतीत का अवशेष मानते है। सच कहा जाय तो भारत ही नहीं, एशिया के सभी विकासशील प्रजातंत्र में भ्रष्टाचार उपनिवेशक काल का अवशेष है। भारतीय राजे-राजवाड़े के कर्मचारी राज्य के राजस्व के कुछ भाग को हड़प लेते थे। मुगलकाल में भी अधिकारियों के भ्रष्टाचार में संलिप्तता के अनेको उदाहरण मिलते है। अंग्रेजी शासन काल में तो भ्रष्टाचार का काफी विकृत रूप देखने को मिला। अंग्रेजी अधिकारियों ने आचार के नियमों को दूर हटाकर भ्रष्ट तरीके से अतुल सम्पत्ति संग्रह किये।

(II) स्वाधीनता के बाद की समस्याएँ और वातावरण :- स्वाधीनता के बाद अंग्रेजों के यहाँ से चले जाने और पाकिस्तान विभाजन के बाद मुसलमान अधिकारियों के यहाँ से हट जाने के कारण उनकी रिक्तियाँ पदोन्नति के द्वारा भरी गई। पदोन्नति होकर नीचे से ऊपर आने वाले अधिकारियों में कुछ बहुत ही स्वार्थी और नैतिक दृष्टि से गिरे हुए थे जो स्वार्थ साधने के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने लगे।

(III) नैतिक मूल्यों का ह्रास :- प्राचीन समय में सादा जीवन और उच्च विचार हमारी सामाजिक मान्यता थी परन्तु तेजी से नगरीकरण का विकास होने के कारण एवं औद्योगीकरण की तीव्र वृद्धि ने हमारे सामाजिक मूल्यों को बदल दिया है। ऐश्वर्यपूर्ण जीवन आज लोगों का उद्देश्य बन गया है। जिसके कारण लोगों में नैतिकता का अभाव हो गया है जिससे भ्रष्टाचार की गति अति तीव्र हो गई है।

REDMI NOTE 6 PRO
MI DUAL CAMERA

(iv) **वेतन में विषमता** :- भारत में कर्मचारियों के वेतन में काफी विषमता है। यहाँ सरकारें अपने कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन भी कठिनाई से दे पाती है। कम वेतन पाने वाले लोग अनुचित साधनों से धन कमाना चाहता है। अतः कम वेतन भोगी कर्मचारी पूँजीपतियों के इर्द गिर्द चक्कर लगाते है और उनकी सेवा कर अपना पॉकेट भरना चाहते है।

(v) **समाजशास्त्रीय कारण** :→ भ्रष्टाचार हमारे समाज की जड़ो में समाया हुआ है। यहाँ व्यक्तियों की महानता एवं परिवार का श्रेष्ठता का मापदण्ड चरित्र न होकर धन की मात्रा है। धन प्रत्येक लोगों के जीवन का एक मात्र लक्ष्य बन गया है। लोग साधनों की चिन्ता किये बगैर धन एकत्र करने में लगे हुए है। अपने सांसारिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए वे देवी-देवताओं को भी धन द्वारा प्रसन्न करने की कोशिश करते है।

(vi) **नागरिक चेतना का अभाव** :- भारत में नागरिक-चेतना का अभाव भी भ्रष्टाचार का एक प्रमुख कारण है। अशिक्षित होने के कारण भारतीय अपनी शिकायतों को दूर करने के लिए आवाज नहीं उठाता। असैनिक सेवाएँ उनकी अज्ञानता एवं उदासीनता का अनुचित लाभ उठाती है। लोकमत की चिन्ता किये बिना सरकारी कर्मचारी स्वतंत्रता पूर्वक अवैध कार्य करते है।

(vii) **भारत का प्रशासनिक संगठन** :- भारत में संसदीय शासन व्यवस्था के कारण कार्यकारिणी के हाथों में शक्तियों का केन्द्रण हुआ है। परन्तु कार्यकारिणी के सभी सदस्य एक जैसे चरित्र और नैतिकता वाले नहीं होते। उनमें कुछ ऐसे भी होते है जिनका व्यवसायी और दूसरे प्रभावशाली वर्गों के साथ अनुचित साँठ-गाँठ होता है और ऐसे लोग उन वर्गों को प्रसन्न करने के लिए पक्षपात और अन्य तरह का अनुचित कार्य करते है।

(viii) **लाभवाले प्रशासनिक विभाग** :- भारत में कुछ सरकारी विभाग ऐसे भी है जैसे चुंगी और उत्पाद, आयात-निर्यात, आपूर्ति आदि जहाँ गलत कार्य के लिए कार्यों को शीघ्रता से कराने के लिए प्रशासनिक पदाधिकारी संलग्न अपने से उच्च पदाधिकारियों को धन देकर लाभवाले पदों को सुशोभित करते है।

(ix) **श्रमिक संगठनों और अन्य संस्थानों का योगदान** :- भारत में श्रमिक संगठन और चैम्बर ऑफ कामर्स जैसे संस्थान भ्रष्टाचार उन्मूलन में सहयोग न देकर उसमें बढ़ावा देते है। ये संगठन भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए प्रभावकारी देने की बात तो करते है परन्तु उससे सम्बन्धित प्रयास में सहयोग नहीं देते।

(x) **भ्रष्टाचार निरोधक कानून की त्रुटिपूर्ण होना** :- भारत में भ्रष्टाचार निरोधक कानून भी त्रुटिपूर्ण है जिसके कारण भ्रष्टाचार दिन दुनी और रात चौगुनी

REDMI NOTE 6 PRO
MI DUAL CAMERA